होलिका दहन

गौ-काष्ठ आधारित होलिका दहन को बढ़ावा

प्रदेश में पर्यावरण-संरक्षण के संदेश के साथ मनेगी होली

नवभारत, बालाघाट। इस वर्ष होली पर्व को पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के संदेश के साथ मनाया जाए। इसके लिए राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और उल्लास के साथ होली मनाएं। होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ (उपलों) का अधिकाधिक उपयोग करें।

प्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देश अनुसार जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से प्रयास किया जाएगा कि होलिका दहन में लकड़ी की जगह गो-काष्ठ का प्रयोग हो। साथ ही, प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलने, जल संरक्षण करने तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालने के संकल्प के साथ उत्सव मनाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा। जिलों में विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का नि:शुल्क पंजीयन कराया जाए। यह पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील, नगरीय निकाय एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा। पंजीयन के दौरान आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी, पदाधिकारियों के नाम एवं संपर्क विवरण प्राप्त किए जाएंगे।

इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ, थाना प्रभारियों एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में पर्यावरण संरक्षण के लिए होलिका दहन में लकड़ियों के स्थान पर गो-काष्ठ और गोबर के उपलों का उपयोग किया जाए। जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक रूप से होलिका दहन करने वाली संस्थाओं का नि:शुल्क पंजीयन कर उन्हें गो-काष्ठ या गोबर के उपलों की होली जलाने के लिए प्रोत्साहित करें। ऐसी संस्थाओं को पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

लकड़ी के स्थान पर करें गौ-काष्ठ का उपयोग

पर्यावरण संरक्षण के लिए नागरिकों को गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगरीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं को इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया गया है। होलिका दहन के दिन मैदानी अमला सार्वजनिक आयोजनों का निरीक्षण कर लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। जिन आयोजनों में पूर्ण रूप से गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन किया जाएगा, उनको संबंधित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कर कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। आगामी दिनों में जिला मुख्यालयों पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। जिसमें उत्कृष्ट गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही भविष्य में ऐसी संस्थाओं को अन्य प्रकार से प्रोत्साहन अथवा सहयोग दिए जाने पर भी प्राथमिकता दी जाएगी।

अधिक किराया वसूलने पर नंदन ट्रेवल्स की दो बसें जब्त

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर आज 01 मार्च को जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल के नेतृत्व में परिवहन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सख्त कार्रवाई की गई।

त्योहारों के दौरान यात्रियों से निर्धारित दर से अधिक किराया वसूलने की शिकायतों के मद्देनजर टीम ने इंदौर एवं भोपाल से बालाघाट पहुंची बसों की जांच की। जांच के दौरान यात्रियों ने बस संचालकों द्वारा अधिक किराया वसूलने के साक्ष्य प्रस्तुत किए। शिकायतों की पुष्टि होने पर नंदन ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 22पी 5101 एवं एमपी 22पी 4101 को जप्त कर थाने में खड़ा कराया गया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के समय यात्रियों की मजबूरी का लाभ उठाकर अधिक किराया वसूलने वाले बस संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि यदि किसी बस संचालक द्वारा निर्धारित दर से अधिक किराया लिया जाता है तो इसकी शिकायत परिवहन विभाग अथवा जिला प्रशासन को अवश्य करें।

जिला प्रशासन ने कहा है कि आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोपरि है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रघोली ग्राम में बिखरे पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का अस्तित्व खतरें में

नवभारत, बालाघाट। इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट के संग्रहाध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण उत्खनन शाखा के से.नि.राजेन्द्र कुमार ब्रम्हे, डॉ.कुलदीप बिल्थरे, दिनेश कुमार नेमा, संदीप जैन, प्रशांत जैन आदि ने बालाघाट से 130 कि.मी. दूर बैहर तहसील के ग्राम रघोली जो रास्ते ग्राम पंचायत सालेटेकरी, जो बैहर तहसील सीमावत छत्तीसगढ़ स्थित है। जहाँ 300 वर्ष पुराने वृक्ष के नीचे, चार जैन प्रतिमाएं, रुद्रा अवतरित शिव प्रतिमा, विष्णु-लक्ष्मी प्रतिमा, नरसिंह मुख प्रतिमा, नारी मुख प्रतिमा, शिव लिंग आदि 10 वीं.शं. पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का दिनांक 28 फरवरी 2026 को आकस्मिक निरीक्षण कर देखा जो 25म40 फीट भूमि पर यत्र-तत्र खंडित भग्नावशेष में बिखरी हुई होने के परिप्रेक्ष्य में भविष्य में अस्तित्व समाप्त होने की कगार पर है, इसके अतिरिक्त खंडित प्रतिमाओं का पूजन कर, वास्तविकताओं को दिखाया जा रहा। निरीक्षणोंपरात ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों से पुरातात्विक महत्व के अवशेषों का विधिवत संरक्षित कर व्यवस्थित रूप से रखने चर्चा की गई।

संग्रहाध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार ने बताया इस पुरातात्विक महत्व के अवशेषों को संरक्षित करने का प्रस्ताव तैयार कर प्रशासन को भेजा जाएगा। जिसका पंजीयन, प्रतिमाओं को पीलर पर व्यवस्थित रुप से स्थापित कर काल निर्धारण तथा टीन शेड निर्माण करवाया जाएगा। ताकि इस स्थल का अवलोकन पर्यटक, शोधार्थी कर सकेगें।

युवा कवयित्री माही ऋषि शुक्ला 'युवनाद सम्मान 2026' से सम्मानित

'शब्दों से जगा रहीं आत्मविश्वास और राष्ट्र चेतना युवा पीढ़ी के लिए बनी प्रेरणा

नवभारत, बालाघाट। ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएँ जब अपनी मेहनत और रचनात्मकता से पहचान बनाती हैं, तो उनकी सफलता पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है। जिला बालाघाट की खैरलांजी तहसील के ग्राम पिंडकेपर की युवा कवयित्री माही ऋषि शुक्ला को उनकी साहित्यिक साधना और प्रेरणादायी लेखनी के लिए प्रतिष्ठित 'युवनाद सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया।

सम्मान अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मृति समारोह के अंतर्गत बुंदेली कला मंच, ओरछा धाम (जिला निवाड़ी, मप्र) में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में प्रदान किया गया। समारोह में साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण के बीच विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, जिसमें युवा कवयित्री माही ऋषि शुक्ला विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

माही की रचनाओं में नारी सम्मान, सामाजिक चेतना, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रमुख रूप से दिखाई देती है। उनकी कविताएँ युवाओं को अपने भीतर छिपी शक्ति पहचानने और जीवन में सार्थक दिशा चुनने के लिए प्रेरित करती हैं।

सरल भाषा और गहन भावों के कारण उनकी लेखनी पाठकों के हृदय तक सहज पहुँचती है।

कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों और अतिथियों ने कहा कि युवा रचनाकार समाज में विचार परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित कर साहित्य को एक नई दिशा तक पहुंचने में संकल्पित हैं। 'युवनाद सम्मान' माही ऋषि शुक्ला की रचनात्मक उपलब्धियों की स्वीकृति के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का संदेश भी है।

माही ऋषि शुक्ला की सफलता यह साबित करती है कि सपनों की उड़ान के लिए बड़े शहर नहीं, बल्कि बड़ा संकल्प आवश्यक होता है। उनकी साहित्यिक यात्रा आज युवाओं को सृजन, संस्कार और सकारात्मक सोच की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है।

वैदिक परंपरा के साथ आज होगा होलिका दहन

लकड़ी के स्थान पर किया जाएगा गाय के गोबर से निर्मित कंडों का उपयोग

नवभारत कटंगी 1 मार्च। नगर स्थित बस स्टैंड में वैदिक होलिका दहन महोत्सव समिति द्वारा सोमवार 2 मार्च को रात्रि शुभ मुहूर्त में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ होलिका दहन एवं फाग गायन महोत्सव का आयोजन किया जायेगा।

इस वर्ष यह आयोजन अपने 9वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। समिति ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भारतीय संस्कृति और परंपरा के इस उत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश

गौरतलब है कि पिछले 8 वर्षों से समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गौशाला को संबल प्रदान करने हेतु गाय के गोबर से निर्मित उपलों (कंडों) का उपयोग किया जा रहा है। यह पहल न केवल प्रदूषण को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि गौसंवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सहयोग प्रदान करती है।

वैदिक मंत्रोच्चार और दुर्लभ हवन सामग्री

होलिका दहन के प्रारंभ से ही नगर के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन किया जाता है। इस वर्ष भी संपूर्ण वैदिक विधि-विधान से होलिका दहन मुहूर्त में संपन्न किया जायेगा। प्राचीन परंपरानुसार दुर्लभ जड़ी-बूटियों से निर्मित सामग्री अर्पित की जाएगी, जिसमें गाय का देशी घी, गुग्गुल, देशी कपूर, जटामांसी, नागरमोथा, नीम पत्ते, गोरखमुंडी, गिलोय, बच, बावची बीज, तुलसी, गुलाब पुष्प, श्वेत चंदन, अगर, सुगंधबाला, खस, लौंग, इलायची, काले तिल सहित अन्य सुगंधित औषधीय तत्व शामिल रहेंगे। मान्यता है कि इन सामग्रियों के हवन से वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

फाग गायन रहेगा आकर्षण का केंद्र

होलिका दहन महोत्सव में स्थानीय भजन मंडलियों द्वारा पारंपरिक फाग गायन का आयोजन भी किया गया है, जो हर वर्ष की तरह इस उत्सव का प्रमुख आकर्षण होंगा। यह फाग गायन होलिका दहन के पूर्व आयोजित होगा कोई भी भजन मंडली इसमें भाग ले सकता है रंग और उमंग से सराबोर यह संध्या नगरवासियों को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधेगी।

15 मार्च को मनाया जाएगा विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

बालाघाट। आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार 15 मार्च 2026 को जिले में 'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' का आयोजन किया जाएगा। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, ई-दाखिल पोर्टल एवं उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.के. ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों एवं महाविद्यालयों में 'उपभोक्ता जागरूकता' विषय पर प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता आयोजित की जाए।

गढ़वाल स्थापना दिवस पर निकली रैली, शहर गूंजा 'जय गढ़वाल' के नारों से

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गढ़वाल समाज स्थापना दिवस

नवभारत, बालाघाट। गढ़वाल स्थापना दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय गढ़वाल महासभा समाज द्वारा जिला मुख्यालय में भव्य रैली एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन स्थल नूतन कला निकेतन में सुबह से ही सामाजिक बंधुओं का उत्साह देखने को मिला। रंगोली, गायन, पारंपरिक नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ दिनभर कार्यक्रमों की श्रृंखला चलती रही।

शाम चार बजे रैली का शुभारंभ नूतन कला निकेतन से हुआ, जो शहर के प्रमुख मार्गों — सराफा बाजार, काली पुतली, आम्बेडकर चौक और हनुमान चौक — से होते हुए पुन: नूतन कला निकेतन भवन पहुंची। रैली के दौरान हनुमान मंदिर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने माथा टेका। वहीं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर आम्बेडकर चौक में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

रैली मार्ग में जगह-जगह सामाजिक बंधुओं द्वारा शामिल स्वजातीयों के लिए पानी की व्यवस्था की गई, जिससे समाज की सेवा और सहयोग भावना भी देखने को मिला।

भ्रमण के दौरान गढ़वाली गीतों की धुन पर समाज के युवा, महिलाएं और युवतियां जमकर झूमे। 'जय गढ़वाल' तै गढ़वाल में गढ़वाल के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान गढ़वाल समाज के सबसे पहले बने संगठन के इतिहास एवं स्थापना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई, जिससे नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का संदेश मिला।

रैली में आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें गढ़वाल समाज के महापुरुषों के छायाचित्र के अलावा समृद्ध संस्कृति, परंपरा और वीरता को दर्शाया गया। दूर-दूराज से आए सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया।

यह आयोजन न केवल स्थापना दिवस का उत्सव रहा, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और गौरव का भव्य प्रदर्शन भी साबित हुआ।

श्री खाटू श्याम महोत्सव में प्रदीप जायसवाल ने सपत्निक शामिल होकर शीश के दानी का प्राप्त किया आर्शीवाद

भजनों की प्रस्तुति में देर रात्रि तक प्रसिद्ध गायकों ने भक्तों को किया भावविभोर

नवभारत, वारासिवनी। नगर के श्रीराम मंदिर प्रांगण में श्री खाटू श्याम महोत्सव परपंरा अनुसार इस साल भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। भव्य कार्यक्रम मे विशेष रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ने भी एक भक्त के रूप मे शामिल होकर दिव्य जोत मे आहूती प्रदान कर धर्मलाभ लिया।

शीश के दानी, तीन बाण धारी, खाटू नरेश के दर्शन के लिये अन्य नगरो से भी भक्तगण अधिक संख्या मे वारासिवनी पहुचे।दिव्य ज्योति,फूलों का श्रंगार, छप्पन भोग के साथ श्री श्याम प्रसादी पाकर धर्म लाभ लेते हुये गुड्डा भैया ने कहा की भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर धर्म की जीत के लिये उन्होंने अपना शीश दान किया था।

करने वाले श्याम, कराने वाले श्याम टीम की ओर से श्याम शर्मा ने पूछे जाने पर बताया की फागुन की एकादशी एवं बारस को हम श्याम दिवाने सन 1981 से बाबा श्याम की सेवा करते हुये आराधना कर रहे है। इस साल भी प्रात समय भव्य श्री श्याम निशान यात्रा निकाली गयी थी। जिसमे सैकडो भक्तो ने शामिल होकर बाबा के दरबार मे हाजिरी लगायी थी।

इसी तरह श्रीश्याम कीर्तन में भी प्रसिद्ध भजन गायको मे श्रीमती स्वेता व श्याम शर्मा, सोहन कुमार गोंदिया, अफरोज अली लालबर्रा, रितेश चैहान रामपायली, प्रकाश सागर सिकन्द्रा,सूर्या वर्मा पूणे आदि ने देर रात्रि तक समधुर भजनों की प्रस्तुति से पूरे वातावरण को श्याममय भी बना दिया।

सड़कों पर उतरी पुलिस, चेकिंग बदमाशों पर हुई कार्रवाई

जबलपुर। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल की पुलिस गुंडे-ब दमाशों पर कार्रवाई करने सड़कों पर उतरी। इसके साथ ही चेकिंग प्वाइंट भी बने। पिछले 24 घंटे में कई वर्षों से फरार 2 गैरम्यादी, 30 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 85 जमानती वारंट तामील किये गये। इसके अलावा सार्वजनिक स्थान पर शराब पिलाने वाले व्यक्तियों सहित, अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 38 व्यक्तियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 173 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 55 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी।

वारासिवनी की बेटी वेदिका मिश्रा ने वर्धा में आयोजित विकसित भारत युवा संसद में हासिल किया प्रथम स्थान

नवभारत, वारासिवनी। वारासिवनी निवासी वेदिका मिश्रा सुपुत्री राकेश एवं अनिता मिश्रा ने वर्धा महाराष्ट्र में आयोजित 'विकसित भारत युवा संसद 2026' की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई।

भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक' था। वेदिका ने अपने ओजस्वी, तथ्यपरक और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण भाषण में आपातकाल के ऐतिहासिक संदर्भ, लोकतांत्रिक मूल्यों पर उसके प्रभाव तथा वर्तमान पीढ़ी के लिए उससे मिलने वाले सबकों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया 7

वेदिका मिश्रा वर्तमान में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही हैं 7 वे वर्तमान में अपने विश्वविद्यालय की छात्र प्रतिनिधि भी हैं तथा सत्र 2024-25 में उन्होंने अपने विश्वविद्यालय की एबीवीपी इकाई की इकाई मंत्री के दायित्व का निर्वाहन किया ।

उल्लेखनीय है कि वेदिका पूर्व में भी अनेक भाषण, वाद-विवाद एवं काव्य प्रतियोगिताओं की विजेता रह चुकी हैं।

जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब वे राज्य स्तर पर आयोजित यूथ पार्लियामेंट में भाग लेंगी 7 उनकी इस उपलब्धि पर वारासिवनी सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है।

विद्यासागर मानद उपाधि से डॉ. रमेश सेवलानी सम्मानित

राष्ट्रीय साहित्य एवं पुरातत्व संस्थान ने किया सम्मान

नवभारत, बालाघाट। दो सौ से ज्यादा ग्रामीण और आदिवासी अंचलो में कैंपो के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा देकर सामाजसेवा कर रहे डॉ. रमेश सेवलानी को विद्यासागर मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान, बालाघाट में इतिहास एवं पुरातत्व संस्थान के 24 वें समारोह में प्रदान किया गया।

आपको बताते चले कि गत दिवस इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान तथा वीर अकादमी मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय साहित्य एवं पुरातत्व का 24 वां समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें 15 राज्यों से प्रतिष्ठित पुरातत्व विद्, इतिहास विद्, साहित्य विद्, समाज शास्त्री पहुंचे थे। आपको बताते चले कि जिले के आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रमेश सेवलानी, जिले के दूरस्थ और आदिवासी अंचलो में स्वास्थ्य शिविरो के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे है। खास बात यह है कि डॉ. सेवलानी, अब तक 221 नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, अपने खर्च पर निस्वार्थ भाव से कर चुके है। वे, जिले के ग्रामीण और दूरस्थ आदिवासी अंचलो में ना केवल, ग्रामीणों की जांच करते है, बल्कि ग्रामीणो के स्वास्थ्य अनुसार, उन्हें नि:शुल्क दवाओं का भी वितरण करते है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रमेश सेवलानी, ना केवल जिले बल्कि पड़ोसी राज्यो में भी अपने स्वास्थ्य सुविधाओ के नाम से पहचाने जाते है। नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से नि:स्वार्थ भाव से वह पीड़ित मानवता की सेवा में लगे है।